

लहरें झिल-मिल डोलें- अपना भेदन खोलें
 करतीं दुखियों का बड़ा, सम्मान रे SSSSSS
 रेवा हम दुखिया नादान रे SSSSSS //2//
 धारा- झ नाना ना बोले, जियरा खाये हिय कोले
 रेवा तुम न बनो अंजान रे SSSSSS
 रेवा हम दुखिया नादान रे SSS

लहरें झिल मिल- ----

तेरे चरणों में सिर को झुकाऊँ SSSS
 रेवा तुमको मैं रो-रो बुलाऊँ SSSS
 इतना सबको बता ॥2॥
 कोई इन्हें न सता ॥2॥
 निर्धन बेटों की रेवा ही जान रे SSSS

करतीं दुखियों- ----

लहरें झिल मिल- --

आई कैंखी, ये मुश्किल घड़ी है ॥३॥

तेरे बेटों पे बेरा पड़ी है ॥३३३॥

मेरी विनती तो सुन ॥२॥

होड़ो अपनी ये धुन ॥२॥

तुझमें शक्ति दिपी है, महान रे ॥३३३३॥

रेवा हम दुखिया नादान रे ॥३॥

करतीं दुखियों-----

लहरें झिल मिल---

मेरी दाती है कितनी भोली ॥३३३॥ ॥२॥

भरती हँस के सभी की झोली ॥३३३॥ ॥२॥

अब न देर करो ॥२॥

सिर पर हाथ धरो ॥२॥

जाने तब तो "श्री बाबा श्री" को जहान रे ॥३॥

रेवा हम दुखिया नादान रे ॥३॥

करतीं दुखियों का बड़ा, सम्मान रे ॥३३३॥

लहरें झिल मिल-----